लगभग 328 गन्ना उत्पादकों ने अमरेली कोआपरेटिव अग्रीकल्चरल शुगर इंडस्ट्रियल सोसायटी लि०, अमरेली, केन्द्रीय सरकार और गुजरात सरकार को इस बकाया राशि का भुगतान कराने के लिए अभ्यावेदन भेजे थे ;

(ख) यदि हां, तो केन्द्रीय सरकार इन गन्ना उत्पादकों को उक्त बकाया राशि का भुगतान कराने के लिए क्या कार्यवाही की है अथवा करने का विचार है; और

(ग) अमरेली कोआपरेटिव अग्रीकल्चरल शुगर इण्डस्ट्रियल लि० अमरेली द्वारा इन गन्ना उत्पादकों को पिछले दो तीन वर्षों के गन्ने के मूल्य की बकाया राशि का भुगतान करने में संकोच किये जाने के क्या कारण हैं और इस 90 लाख रुपये की बकाया राशि का भुगतान किसानों को कब तक और किस प्रकार किया जायेगा ?

कृषि और सिंचाई मंत्रालय में राज्य मंत्री श्री भानु प्रताप सिंह) : (क) से (ग) . राज्य सरकार को अप्रैल, 1979 में एक प्रार्थना पत्र प्राप्त हुआ है, जिसके साथ 328 किसानों की सूची भी प्राप्त हुई है । इसमें इस बात का उल्लेख किया गया है कि किसानों का अमरेली फैक्ट्री के प्रति 1976–77, 1977–78 और 1978–79 वर्षों के 115/–रुपये प्रति मीटरी टन के हिसाब से गन्ने के लगभग 90 लाख रुपये बकाया है । उनमें से केवल 185 किसानों ने गन्ना सप्लाई किया था और 1976–77 मौसम के लिए केवल पांच किसानों को 6398.65 रुपये का भुगतान करना बकाया था । इन किसानों से भी कहा गया है कि वे अपनी राशि प्राप्त कर लें । जहां तक 1977–78 मौसम का सम्बन्ध है, शेयर जमा के रूप में काटी गई 3568.40 रुपये की धनराशि को छोड़ कर, भुगतान 85/–रुपये प्रति मीटरी टन के हिसाब से किया गया था । राज्य सरकार की मंजूरी के आधार पर 129 किसानों को देय क्रमशः 3.99 लाख और 1.99 लाख रुपये वापस करने योग्य जमा और अनिवार्य जमा के रूप में रख लिए गए हैं । 1978–79 मौसम के लिए सोसाइटी 68/– रुपये प्रति मीटरी टन के हिसाब से गन्ने का मूल्य दे रही है जब कि अधिसूचित मूल्य 105.90 रुपये प्रति मिटरी टन है । गन्ने के अधिसूचित न्यूनतम मूल्य के संदर्भ में अनुमेय सीमा से अधिक बकाया होने के कारण इस सोसाइटी के विरुद्ध चीनी उपक्रम (प्रबन्ध अधिग्रहण) अधिनियम, 1978 के अन्तर्गत कार्यवाही शुरू कर दी गई है ।

---

12 hrs.

RE. FALLING OF SKYLAB

SHRI M. SATYANARAYAN RAO (Karimnagar): Sir, I want to take one or two minutes. There is so much panic in the minds of the people, particularly in my district of Andhra Pradesh regarding skylab. There are reports in The *Indian Express* as well as in other papers that this skylab is going to fall either in my district Karimnagar or in Andhra Pradesh. Recently, when the Prime Minister addressed a press conference and he was asked about this, he said: people are dying before they actually die. This kind of statement, I am sorry to say, is most irresponsible and the people from my area have requested me while coming here to convey their protest against the Prime Minister's statement. I should like to know from the hon. Prime Minister what steps he is going to take regarding skylab. There is so much panic. I want some clarification from him.

PROF. SAMAR GUHA (Contai): I have given 377 notice.

MR. SPEAKER: I will look into the matter; you must have given notice today.

PROF. SAMAR GUHA: Things will happen day after tomorrow.

SHRI M. SATYANARAYAN RAO: It is the duty of the Prime Minister and of the government; they have to say something.

MR. SPEAKER: Would the Prime Minister like to say something?

THE PRIME MINISTER (SHRI MORARJI DESAI): I do not know what to say about the skylab; I cannot say anything; it may fall anywhere. I do not want to die out of fear before actual death. When it comes we have to face it. What else can we do? I told the people from the United States when they met me that if any damage took place, they would have to compensate and they had agreed to it. Beyond that what am I to do.

MR. SPEAKER: We take up next business.

(*Interruptions*)